ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–69
दिनांकः मंगलवार, 08 सितम्बर, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.3 एवं 24. 9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 80 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.0 एवं दोपहर में 35.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 4.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(09–13 सितंबर, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 09 से 13 सितंबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। हलांकि, 9–13 सितंबर के बीच बेगूसराय, सीवान, सारण, गोपालगंज तथा पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिलों के एक–दो स्थानों पर गरज के साथ बिजली चमकने की संभावना है। इसके अलावा, 9–11 सितंबर के आसपास सारण, सीवान एवं गोपालगंज में कहीं–कहीं मध्यम वर्षा होने का अनुमान है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 30–34°C तथा न्यूनतम तापमान 24–27°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता लगभग 85–95% तथा दोपहर में 55–60% के आसपास रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवाएं मुख्यतः पूर्वी से 8–12 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकती हैं। 14 सितम्बर को पछिया हवा चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धानः किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की फसल में पत्ती लपेटक एवं भूरा माहू (BPH) की नियमित निगरानी करें। प्रकोप होने पर पत्ती लपेटक के नियंत्रण हेतु क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4 जी दवा 20–25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से दोपहर के बाद प्रयोग करें। भूरा माहू का अधिक प्रकोप होने पर इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एससी दवा 1.0 मिली प्रति 3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। देर से बोई गई धान में खैरा रोग की निगरानी करें तथा लक्षण दिखाई देने पर जिंक सल्फेट 5 किग्रा. चूना 2.5 किग्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर पत्तियों पर छिड़काव करें। अगेती धान में दाना बननेध्दूधिया अवस्था में गंधी बग की निगरानी करें तथा प्रकोप होने पर फोलिडोल डस्ट (चूर्ण) 10–15 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से सुबह या शाम प्रयोग करें।
- मक्काः मक्का की फसल में फॉल आर्मीवर्म (FAW) की नियमित निगरानी करें। नियंत्रण हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट दवा 0.5–0.6 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। आवश्यकता होने पर प्रथम छिड़काव के 7 दिन बाद कोराजेन दवा का 0.5–0.6 मिली प्रति 15 लीटर पानी की दर से दूसरा छिड़काव करें।
- फूलगोभीः मध्य अवधि में तैयार होने वाली फूलगोभी की किस्मों जैसे *पूसा हिम ज्योति, डी*–96 एवं पंत शुभ्रा की 350–400 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई करें। रोपाई से पहले 20–25 टन अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर मिट्टी में मिलाएं। साथ ही नत्रजन 120 किग्रा, फास्फोरस 60–80 किग्रा, पोटाश 40–60 किग्रा, बोरेक्स 10–15 किग्रा एवं अमोनियम मोलिब्डेट 1–2 किग्रा प्रयोग करें।
- पत्तागोभीः पत्तागोभी की बुआई करें। उत्तर बिहार के लिए *पूसा ड्रम हेड* एवं *पूसा अगेती* किस्में उपयुक्त हैं। एक हेक्टेयर के लिए लगभग 500 ग्राम बीज की आवश्यकता होगी। कतार से कतार 50–60 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 40–50 सेमी रखें। अच्छी उपज के लिए 20–25 टन अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद के साथ नत्रजन 120 किग्रा, फास्फोरस 80 किग्रा एवं पोटाश 80 किग्रा प्रयोग करें।
- पपीताः 300–350 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से पपीते की बुआई करें। उत्तर बिहार के लिए *पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डिलिशियस, सी.ओ.–7, अर्का सूर्य* एवं *रेड लेडी* किस्में अनुशंसित हैं। बुआई से पहले वेविस्टिन दवा 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से बीज उपचार करें। 150 गेज पॉलीथीन से बने 20×15 सेमी आकार के नर्सरी बैग में बीज बोएं तथा 7–10 सेमी दूरी रखें। 20–25 सेमी ऊंचाई वाले स्वस्थ पौधों की मुख्य खेत में रोपाई करें।
- मूलीः मूली की बुआई करें तथा 30×10 सेमी दूरी रखें । बीज दर 7–8 किलोग्राम प्रति हेक्टर उपयोग करें। उत्तर बिहार के लिए *काशी हंस, काशी लोहित, जौनपुरी जायंट, पालम हृदय, काशी श्वेता, पंजाब अगेती, स्कारलेट लॉन्ग, पूसा चेतकी, पूसा देसी, पूसा हिमानी, पूसा रश्मि, जापानी व्हाइट, जौनपुरी व्हाइट, आइसीकल, पंजाब सफेद, चाइनीज पिंक, हिसार मूली नं.* 1 एवं *अर्का निशांत* किस्में उपयुक्त हैं। अच्छी वृद्धि के लिए 150–200 क्विंटल कम्पोस्ट, नत्रजन 60 किग्रा, फास्फोरस 40 किग्रा एवं पोटाश 40 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियांः वर्षा ऋतु में लौकी, तोरई, करेला, खीरा एवं झींगा में फल मक्खी की नियमित निगरानी करें। संक्रमित फलों को तोड़कर मिट्टी में गहरा दबाएं तथा 4–8 ट्रैप प्रति एकड़ की दर से फ्लाई ट्रैप लगाएं। फल लगने की अवस्था एवं कटाई के बाद फसल के आसपास मिट्टी की गुड़ाई करें, जिससे फल मक्खी के प्यूपा धूप एवं प्राकृतिक शत्रुओं के संपर्क में आएं। जैविक नियंत्रण के लिए नीम आधारित उत्पादों का प्रयोग करें।
- दुधारू पशुः दुधारू पशुओं में संक्रामक रोगों से बचाव के लिए पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार निवारक उपाय अपनाएं। मक्खी, मच्छर एवं अन्य कीटों के नियंत्रण के लिए पशुशाला के आसपास चूने के पानी का छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.4 डिग्री सेल्सियस, जो से 2.7 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 24.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी